

कक्षा-6  
गणित

पाठ्यक्रम की मासिक बाँट – फरवरी 2021 से मई 2021

मास	दक्षता कोड	अधिगम उपलब्धियाँ बच्चे:-	विषयवस्तु	सुझाव / तरीके / क्रियाकलाप
फरवरी	601	विद्यार्थी किसी प्राकृत संख्या को विभिन्न तरीकों से पढ़, लिख, तुलना और व्याख्या कर सकते हैं और उनपर चारों संक्रियाएं कर सकते हैं।	अपनी संख्याओं की जानकारी	<p><a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_3130220015048785921_5030?contentid=do_3130456203106140161307">https://diksha.gov.in/play/collection/do_3130220015048785921_5030?contentid=do_3130456203106140161307</a></p> <p>अधिगम अपक्षाएँ: – सबसे बड़ी संख्या, सबसे छोटी संख्या, आरोही क्रम, अवरोही, क्रमविनिमेयता, आँकलन और रोमन गिनती की समझ। बच्चे संख्याओं को अंको और शब्दों में लिख और पढ़ सकते हैं। दैनिक जीवन में सामान खरीदते समय मूल्यों का जोड़, घटा, गुणा और भाग द्वारा हल करने की समझ प्राप्त करते हैं। रोमन गिनती द्वारा घड़ी में समय देखने की समझ रखते हैं। इसके लिए बच्चों रोमन गिनती वाली घड़ी, संख्याओं के कार्ड और <b>abacus</b> आदि का प्रयोग करके आसानी से सीख पाते हैं।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• इस क्रियाकलाप के लिए बच्चों को संख्याओं के कार्ड (0 से 9) तीन-तीन बच्चों के समूह में बच्चों को पर्चियां देकर या बिना देखे उठाने को कहें। उसके बाद तीनों समूहों को मिले तीन-तीन अंकों से सबसे बड़ी संख्या और सबसे छोटी संख्या बनाने को कहें।</li> <li>• कुछ पैन कुछ पेंसिल नोटबुक के मूल्य बताकर उन्हें कुल खरीदी हुई वस्तुओं के मूल्य का ज्ञान तथा खरीदने के बाद शेष राशि का ज्ञान करवाया जा सकता है।</li> <li>• <b>abacus</b> द्वारा संख्याओं को जोड़ना या घटाना सिखाया जा सकता है।</li> <li>• बच्चों को आकलन के लिए फर्श पर संख्या रेखा बनाकर अंकों से दूरी को समझाया जा सकता है।</li> <li>• रोमन गिनती के लिए <b>XX, II</b> इत्यादि संकेतों द्वारा बताया जा सकता है। यदि <b>XX</b> दो बार आया है तो यह दो <b>X</b> के योग के बराबर होगा। इस क्रियाकलाप के लिए बच्चे कार्डों का प्रयोग करके अभ्यास कर सकते हैं।</li> </ul>

602	<p>विद्यार्थी सममित रेखा, रैखिक सममिति और घूर्णन सममिति की पहचान कर सकते हैं। विद्यार्थी एक या अनेक सममिति रेखाओं वाली आकृतियों की पहचान की समझ रखते हैं।</p>	सममिति	<p><a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302200150487859215030?contentId=do_313058847210799104167">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302200150487859215030?contentId=do_313058847210799104167</a>  <a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302200150487859215030?contentId=do_31305608689718886413726">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302200150487859215030?contentId=do_31305608689718886413726</a></p> <p>अधिगम अपक्षाएँ: – बच्चे दैनिक जीवन में प्रकृति और मानव निर्मित वस्तुओं में सममित रेखा और घूर्णन सममिति को समझ सकते हैं व इसकी पहचान कर सकते हैं।</p> <p>इसके लिए बच्चे कागज से बने वर्ग, आयत, वृत्त, समबाहु त्रिभुज, समद्विबाहु त्रिभुज, विषमबाहु त्रिभुज, तितली, कछुआ, इमारत आदि के चित्रों से इसका ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।</p> <p>क्रियाकलाप</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कागज पर बनी आकृतियों को मोड़कर उनकी सममिति रेखाएँ समझना। एक, दो, तीन, चार और उससे अधिक सममित रेखाओं की समझ, विभिन्न द्विविमीय आकृतियों को मोड़कर दिखाई जा सकता है।</li> <li>• ग्लोब, पंखा और अन्य आकृतियों को घुमाकर घूर्णन की समझ और दैनिक जीवन में पृथ्वी के घूर्णन के दिन रात का बनना, पवन चक्की का प्रयोग, पंखों का घूमना आदि बताए जा सकते हैं।</li> <li>• इसके लिए इंक ब्लोट डेविल्स, धागा प्रतिरूप गतिविधि पेज क्रमांक 283 पर देखकर अभ्यास करें।</li> <li>• बच्चों को कुछ अधूरी आकृति देकर उन्हें पूरी करने के लिए दिया जा सकता है ताकि सममित आकृति प्राप्त कर सकें। इसके अतिरिक्त पेपर कटिंग की गतिविधि भी करवाई जा सकती है।</li> </ul>
608	<p>विद्यार्थी पूर्णाकों का अन्य संख्याओं से सम्बन्ध की व्याख्या कर सकते हैं, उनको संख्या रेखा पर निरूपित कर सकते हैं, उनपर गणितीय संक्रियाएं कर सकते हैं।</p>	पूर्णांक	

मार्च	603	<p>विद्यार्थी पूर्ण संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित व व्याख्या कर सकते हैं और उनपर चारों संक्रियाएं कर सकते हैं।</p>	पूर्ण संख्याएँ	<p><a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302200150487859215030?contentId=do_31305608199105740813844">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302200150487859215030?contentId=do_31305608199105740813844</a></p>
	616	<p>विद्यार्थी रेखा खंड, कोनों और वृत्त की रचना कर सकते हैं, ज्यामितीय उपकरणों की सहायता से रेखा खंडों और कोनों का समद्विभाजन कर सकते हैं।</p>	प्रारंभिक आकारों को समझना	<p><a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302200150487859215030?contentId=do_3130830705511792641336">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302200150487859215030?contentId=do_3130830705511792641336</a></p> <p>अधिगम अपक्षाएँ: द्विआयामी और त्रिआयामी आकृतियों को तथा उनकी विमाओं की समझ के लिए फलक, किनारों और शीर्ष बिंदु की पहचान करते हैं।</p> <p>दैनिक जीवन में बच्चे द्विआयामी और त्रिआयामी आकृतियों की पहचान की कर सकते हैं तथा उनके चित्र बनाने व समझने की समझ रख सकते हैं।</p> <p>इसके लिए बच्चे गत्ते से बने बहुफलक, जिन्हें मोड़कर घन, घनाभ, प्रिज्म, पिरामिड बनाए जा सकते हैं।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● हार्ड शीट से बेलन, शंकु तथा एक गेंद बनाएँ। इस क्रियाकलाप के लिए बच्चों को कोई तार मोड़कर, कागज मोड़कर कोण को समझाया जा सकता है। कागज या गत्ते पर बने फलकों को मोड़कर त्रिआयामी आकृतियों को समझाया जा सकता है। फर्श पर द्विआयामी आकृति बनाकर बताया जा सकता है कि ये आकृतियां सिर्फ स्थान घेरती हैं इन्हें उठाया नहीं जा सकता है। जिन वस्तुओं की ऊँचाई होती है केवल उन्हें ही उठाया जा सकता है। इस प्रकार बच्चों को द्विआयामी और त्रिआयामी आकृतियों के अंतर का ज्ञान होता है।</li> <li>● बच्चों को कागज पर विभिन्न वर्गों और आयत आदि के जाल बनाकर कंटिंग करके मोड़ने के लिए दिए जा सकते हैं ताकि वे याद कर सकें कि किस जाल से घन या घनाभ बनेगा। इन त्रिआयामी आकृतियों की समझ के बाद उनके फलक, किनारे और शीर्षों को गिनकर उनमें सम्बन्ध स्थापित करने की समझ बढ़ेगी। किस प्रकार के टोस में कितनी</li> </ul>

				सामग्री होगी जो उसके प्रष्टीय क्षेत्रफल को दर्शाती है।  <a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302200150487859215030?contentid=do_31305608563034521613748">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302200150487859215030?contentid=do_31305608563034521613748</a>
	607	विद्यार्थी किनारों, फलकों और कोनों के आधार पर 3व वस्तुओं के मूलभूत गुणों की व्याख्या कर सकते हैं।	आधारभूत ज्यामितीय अवधारणाएँ	
अप्रैल	609	विद्यार्थी भिन्नों को चित्रों के माध्यम से दर्शाते हैं और चित्रों से भिन्न को समझते हैं व भिन्नों को संख्या रेखा पर निरूपित कर सकते हैं।	भिन्न	क्रियाकलाप: एक गोल कागज लिया उसको बीच में मोड़कर दो बराबर भाग किए। इनमें से प्रत्येक भाग पूरे गोल का आधा कहलाता है। इसे $1/2$ लिखते हैं, तथा इसे एक बटे दो पढ़ते हैं। इसी प्रकार आधे भाग को भी इसीमें मोड़कर दो बराबर भाग किए। इनमें से प्रत्येक भाग पूरे भाग का एक चौथाई कहलाता है और यदि पूरे गोल भाग में से एक चौथाई भाग निकाल दें तो शेष भाग तीन चौथाई कहलाता है। सर्वप्रथम आपने साधारण भिन्न और दशमलव भिन्न में अंतर बताना है। जोड़ और घटा के प्रश्नों में दशमलव का स्थान वहीं क्यों रहता है?
	610	विद्यार्थी भिन्नों को मिश्रित, उचित, अनुचित भिन्नों में बदल सकते हैं, समान और असमान भिन्नों की तुलना कर सकते हैं, भिन्नों के जोड़ व घटा से दैनिक जीवन की समस्याओं को हल कर सकते हैं।	भिन्न	गुणा के प्रश्नों में गुणनफल दशमलव का स्थान कहाँ होना चाहिए तथा क्यों? भाग के प्रश्नों में दशमलवो का स्थान भाग में कहाँ होना चाहिए? अब बताओ दो दशमलव एक पाँच तथा एक दशमलव पाँच दो को जोड़ने पर दशमलव के बाद दो ही अंक आते है जबकि इन्हें गुणा करने पर दशमलव के बाद चार अंक क्यों आते है?
	611	विद्यार्थी दशमलवों को चित्रों के माध्यम से और संख्या रेखा पर निरूपित कर सकते हैं, भिन्नों में बदल सकते हैं और दैनिक जीवन की समस्याओं में जोड़ व घटा कर प्रयोग कर सकते हैं।	दशमलव	
	612	विद्यार्थी आंकड़ों को एकत्रित एवं संगठित ( मिलन चिह्न, तालिका बनाना और प्रतीकों को पैमाने की सहायता से ) कर सकते हैं, आंकड़ों को दंड आलेख के माध्यम से दर्शा सकते हैं।	आंकड़ों का प्रबंधन	

मई	613	विद्यार्थी सरल आकृतियों (जैसे आयत और वर्ग) के सूत्रों की सहायता से परिमाप और क्षेत्रफल ज्ञात कर सकते हैं। ( वृत्त को छोड़ कर )	क्षेत्रमीति	<a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31308461658798489613060?contentId=do_3129946152584069121120">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31308461658798489613060?contentId=do_3129946152584069121120</a>
	614	विद्यार्थी किसी परिस्थिति को बीजगणितीय व्यंजकों के माध्यम से दर्शा सकते हैं और इसका विपरीत कर सकते हैं , साधारण परिस्थितियों को सरल समीकरणों से दर्शा सकते हैं।	बीजगणित	<a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31308461658798489613060?contentId=do_31305609328886579213591">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31308461658798489613060?contentId=do_31305609328886579213591</a>
	615	विद्यार्थी दो संख्याओं का अनुपात कर सकते हैं , दो अनुपातों को समानुपातों के रूप में तुलना कर सकते हैं , अनुपात और समानुपात से सम्बंधित दैनिक जीवन की समस्याओं को हल कर सकते हैं।	अनुपात और समानुपात	<a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31308461658798489613060?contentId=do_31305609633470054414035">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31308461658798489613060?contentId=do_31305609633470054414035</a>

कक्षा-7  
गणित

पाठ्यक्रम की मासिक बॉट – फरवरी 2021 से मई 2021

मास	दक्षता कोड	अधिगम उपलब्धियाँ बच्चे:-	विषयवस्तु	सुझाव/तरीके/क्रियाकलाप
फरवरी	716	विद्यार्थी रैखिक सममिति की पहचान व रचना कर सकते हैं।	सममिति	<a href="https://diksha.gov.in/play/col/lection/do_31310351439808_921611554?contentId=do_31298962043648409617">https://diksha.gov.in/play/col/lection/do_31310351439808_921611554?contentId=do_31298962043648409617</a>
	701	विद्यार्थी पूर्णाकों को गुणा व् भाग कर सकते हैं एवं उनकी संक्रियात्मक गुणों की व्याख्या कर सकते हैं।	पूर्णांक	<a href="https://diksha.gov.in/play/col/lection/do_31310351439808_921611554?contentId=do_31298962025716121611">https://diksha.gov.in/play/col/lection/do_31310351439808_921611554?contentId=do_31298962025716121611</a>
	702	विद्यार्थी भिन्नों एवं दशमलावों को गुणा व् भाग कर सकते हैं और इनके प्रयोग से दैनिक जीवन की समस्याओं को हल कर सकते हैं।	भिन्न एवं दशमलव	<a href="https://diksha.gov.in/play/col/lection/do_31310351439808_921611554?contentId=do_31298962028218777612">https://diksha.gov.in/play/col/lection/do_31310351439808_921611554?contentId=do_31298962028218777612</a>
	709	विद्यार्थी भिन्नो, दशमलव का वर्णन कर सकते हैं और एक दुसरे में बदल सकते हैं।	भिन्न एवं दशमलव	क्रियाकलाप: एक गोल कागज लिया उसको बीच में मोड़कर दो बराबर भाग किए। इनमें से प्रत्येक भाग पूरे गोल का आधा कहलाता है। इसे $1/2$ लिखते हैं, तथा इसे एक बटे दो पढ़ते हैं। इसी प्रकार आधे भाग को भी इसीमें मोड़कर दो बराबर भाग किए। इनमें से प्रत्येक भाग पूरे भाग का एक चौथाई कहलाता है और यदि पूरे गोल भाग में से एक चौथाई भाग निकाल दें तो शेष भाग तीन चौथाई कहलाता है।

				<p>सर्वप्रथम आपने साधारण भिन्न और दशमलव भिन्न में अंतर बताना है। जोड़ और घटा के प्रश्नों में दशमलव का स्थान वहीं क्यों रहता है?</p> <p>गुणा के प्रश्नों में गुणनफल दशमलव का स्थान कहाँ होना चाहिए तथा क्यों?</p> <p>भाग के प्रश्नों में दशमलवो का स्थान भाग में कहाँ होना चाहिए? अब बताओ दो दशमलव एक पाँच तथा एक दशमलव पाँच दो को जोड़ने पर दशमलव के बाद दो ही अंक आते है जबकि इन्हें गुणा करने पर दशमलव के बाद चार अंक क्यों आते है?</p>
मार्च	706	विद्यार्थी रेखाओं और कोणों की रचना कर सकते हैं और उनके गुणों की व्याख्या कर सकते हैं।	रेखा एवं कोण	<p><a href="https://diksha.gov.in/play/col/lection/do_31310351439808_921611554?contentId=do_31298962032054272018">https://diksha.gov.in/play/col/lection/do_31310351439808_921611554?contentId=do_31298962032054272018</a></p> <p>ज्यामीति बॉक्स का प्रयोग करते हुए ज्यामीति शिक्षण को रुचिकर बनाना चाहिए। बच्चों को रेखा, रेखाखंड, कोण को परिभाषित करके क्रियाकलाप कराना चाहिए।</p>
	707	विद्यार्थी त्रिभुजों का वर्गीकरण कर सकते हैं और उनके गुणों की व्याख्या कर सकते हैं।	त्रिभुज और उसके गुण	<p><a href="https://diksha.gov.in/play/col/lection/do_31310351439808_921611554?contentId=do_31298962033528012811">https://diksha.gov.in/play/col/lection/do_31310351439808_921611554?contentId=do_31298962033528012811</a></p> <p>शिक्षक बोर्ड पर या कागज या</p>

	708	विद्यार्थी सर्वाङ्गसम त्रिभुजों के मानदंडों की व्याख्या कर सकते हैं।	त्रिभुजों की सर्वाङ्गसमता	<p>गत्ते काटकर कई प्रकार के त्रिभुज बनवाएँ जिसमें समबाहु त्रिभुज, विषमबाहु त्रिभुज, समद्विबाहु त्रिभुज की कई चित्रों की सहायता से त्रिभुजों के गुण और उनकी सर्वाङ्गसमता पर आधारित क्रियाकलाप कराकर अभ्यास कराएँ।</p> <p><a href="https://diksha.gov.in/play/col-lection/do_31310351439808921611554?contentId=do_31298962034695372812">https://diksha.gov.in/play/col-lection/do_31310351439808921611554?contentId=do_31298962034695372812</a></p>
अप्रैल	709	विद्यार्थी प्रतिशत और अनुपात का वर्णन कर सकते हैं और एक दुसरे में बदल सकते हैं।	राशियों की तुलना	<a href="https://diksha.gov.in/play/col-lection/do_31310351439808921611554?contentId=do_31298962036022476819">https://diksha.gov.in/play/col-lection/do_31310351439808921611554?contentId=do_31298962036022476819</a>
	710	विद्यार्थी लाभ हानि एवं प्रतिशत की गणना कर सकते हैं और दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करने में प्रयोग कर सकते हैं।	राशियों की तुलना	
	711	विद्यार्थी परिमेय संख्याओं के गुणों का व्याख्या कर सकते हैं, संख्या रेखा पर व्यक्त कर सकते हैं और उनपर विभिन्न गणितीय संक्रियाएं कर सकते हैं।	परिमेय संख्याएँ	<a href="https://diksha.gov.in/play/col-lection/do_31310351439808921611554?contentId=do_31298962037501952015">https://diksha.gov.in/play/col-lection/do_31310351439808921611554?contentId=do_31298962037501952015</a>



	712	विद्यार्थी समान्तर रेखाओं, कोणों और त्रिभुजों की रचना कर सकते हैं।	प्रायोगिक ज्यामिति	<a href="https://diksha.gov.in/play/col-lection/do_31310351439808921611554?contentId=do_312989620389806080110">https://diksha.gov.in/play/col-lection/do_31310351439808921611554?contentId=do_312989620389806080110</a>
मई	713	विद्यार्थी संयुक्त आकृतियों ( त्रिभुजों, चतुर्भुजों और वृत्त) के परिमाण और क्षेत्रफल पर आधारित जटिल समस्याओं को हल कर सकते हैं।	परिमाण और क्षेत्रफल	शिक्षक छात्रों को कक्षा-कक्ष में अमानक एवं मानक विधि द्वारा दूरियाँ मापने का अभ्यास कराएँ उसके बाद कुछ बहुभुज लेकर उनका परिमाण की गणना करवाएँ। जब बच्चों का अभ्यास हो जाए उसके बाद स्कूल की क्यारियों और खेल के मैदान की तारबंदी करके तार को मापकर परिमाण की विस्तृत जानकारी दें और लम्बाई तथा वर्गाकार एवं आयताकार आकृतियों की लम्बाई व चौड़ाई की सहायता से क्षेत्रफल निकालने का अभ्यास कराएँ।
	715	विद्यार्थी बार बार गुणा को घात के रूप में पहचान सकते हैं और लिख सकते हैं, घातानकों के नियमों की व्याख्या व् उपयोग कर सकते हैं।	घातांक और घात	

कक्षा-8  
गणित

पाठ्यक्रम की मासिक बाँट – फरवरी 2021 से मई 2021

मास	दक्षता कोड	अधिगम उपलब्धियाँ बच्चे:-	विषयवस्तु	सुझाव / तरीके / क्रियाकलाप
फरवरी	814	विद्यार्थी सीधा और प्रतिलोम समानुपात की गणना कर सकते हैं और उनका प्रयोग करते हुए दैनिक जीवन की समस्याओं को हल कर सकते हैं।	सीधा और प्रतिलोम समानुपात	<a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302288259536486418963?contentId=do_3130598414088847361816">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31302288259536486418963?contentId=do_3130598414088847361816</a>
	807	विद्यार्थी विभिन्न तरीकों से वर्ग और वर्गमूल, घन और घनमूल ज्ञात कर सकते हैं।	वर्ग और वर्गमूल	<a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549136617472163">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549136617472163</a>
	805	विद्यार्थी दंड आलेख, आयतचित्र और वृत्त आलेख के माध्यम से आंकड़ों को संगठित, वर्गीकृत और निरूपण कर सकते हैं।	आलेखों से परिचय	<p><a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549255254016164">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549255254016164</a></p> <p>पाठ्यक्रम चाह: दंड आलेख बारे जानकारी, आयत चित्र व वृत्त आलेख के माध्यम से आंकड़ों को संगठित, वर्गीकृत और निरूपण करना। अधिगम उपलब्धियाँ: दंड आलेख, आयत चित्र और वृत्त आलेख के माध्यम से आंकड़ों को संगठित, वर्गीकृत और निरूपित कर सकते हैं। शिक्षण अधिगम सामग्री: ज्योमैट्री बॉक्स, कागज, सीट, ग्राफ पेपर। गतिविधियाँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>अध्यापक श्यामपट्ट पर एक बिंदु अंकित करेगा। फिर विद्यार्थियों से पूछेगा कि</li> </ul>

				<p>उस बिंदु की श्यामपट्ट पर स्थिति क्या है?</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● एक बच्चा बिंदु कि दूरी श्यामपट्ट के बाएं किनारे से मापकर बताएगा कि बाएं किनारे से 90 सेंटीमीटर दूर है। दूसरा बच्चा निचले किनारे से मापकर दूरी 160 सेंटीमीटर बताता है तब अध्यापक बताता है कि हम बिंदु की स्थिति (90, 160) लिखकर प्रकट करते हैं।</li> <li>● जब विद्यार्थी कक्षा कक्ष में अपनी सीट ढूंढता है। इसके लिए दो संख्याएं चाहिए 'पंक्ति संख्या' तथा 'सीट संख्या' सभी बच्चों से बारी-बारी गतिविधि करवाएंगे उदाहरण के तौर पर एक बच्चे को कहेंगे कि वह तीसरी पंक्ति में दूसरी सीट पर बैठेगा। सभी बच्चों को ऐसा करने का मौका मिलेगा जिससे बच्चों की निर्देशांक बिंदुओं के बारे में अवधारणा स्पष्ट होगी।</li> <li>● सबसे पहले अध्यापक सभी बच्चों के सामने एक ग्राफ पेपर पर एक दंड आलेख व एक पाई चार्ट बनाएगा फिर सभी बच्चों को समूह में बांटकर उनको ग्राफ पेपर वितरित करेंगे तथा बच्चों को ज्योमेट्री बॉक्स की सहायता से दंड आलेख तथा पाई चार्ट बनाने को कहेंगे। सभी समूह के दंड आलेख व पाई चार्ट जो बच्चों ने बनाए हैं विस्तार से चर्चा करेंगे।</li> </ul>
मार्च		अनुपात व प्रतिशतता का उपयोग करने की समझ रखते हैं। वृद्धि और कमी का प्रतिशत ज्ञात करने की समझ रखते हैं। बट्टा ज्ञात करने की समझ रखते	राशियों की तुलना	<p><a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549128589312196">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549128589312196</a></p> <p>पाठ्यक्रम चाह:</p>

	<p>हैं। किसी राशी का प्रतिशत में आकलन करने की समझ रखते हैं। क्रय-विक्रय मूल्य, लाभ हानि, प्रतिशत, बिक्रीकर ज्ञात करने की समझ रखते हैं। दर (प्रतिशत) का वार्षिक/ अर्धवार्षिक/ त्रैमासिक/ नवमासिक संयोजन करने की समझ रखते हैं।</p> <p>810 चक्रवृद्धि ब्याज से सूत्र का अनुप्रयोग करना व उसका दैनिक कार्यों में उपयोग करने की समझ रखते हैं।</p> <p>802 विद्यार्थी बीजगणितीय व्यंजकों को जोड़, घटा और गुना कर सकते हैं , सर्वसम्मिकाओं की सहायता से हल कर सकते हैं।</p> <p>विद्यार्थी रैखिक समीकरण का निर्माण कर सकते हैं और दोनों पक्ष बराबर करके हल कर सकते हैं।</p>	<p>बीजीय व्यंजक एवं सर्वसम्मिकाएँ</p> <p>बीजीय व्यंजक एवं सर्वसम्मिकाएँ</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अनुपात व प्रतिशत के बारे में जानकारी।</li> <li>● वृद्धि में कमी का प्रतिशत</li> <li>● बट्टा</li> <li>● किसी राशि' का प्रतिशत में आकलन</li> <li>● क्रय-विक्रय मूल्य, लाभ-हानि प्रतिशत, बिक्री कर</li> <li>● चक्रवृद्धि ब्याज से सूत्र का अनुप्रयोग करने बारे जानकारी।</li> </ul> <p>अधिगम उपलब्धियाँ: अनुपात व प्रतिशत का उपयोग करने की समझ रखते हैं। वृद्धि और कमी का प्रतिशत ज्ञात करने की समझ रखते हैं। बट्टा ज्ञान करने की समझ रखते हैं। किसी राशि' का प्रतिशत में आकलन की समझ रखते हैं। क्रय-विक्रय मूल्य, लाभ-हानि, प्रतिशत, बिक्री कर ज्ञात करने की समझ रखते हैं। चक्रवृद्धि ब्याज के सूत्र का अनुप्रयोग करना व उसका दैनिक कार्यों में उपयोग करने की समझ रखते हैं।</p> <p>शिक्षण अधिगम सामग्री: कुछ फल या अलग-अलग रंगों के कुछ कंचे।</p> <p>गतिविधियाँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● दो प्रकार के फलों (सेब व संतरे) को हम बच्चों से टोकरी में रखने को कहेंगे। टोकरी में 4 सेब व 7 संतरे हैं। सेबों की संख्या' का संतरों की संख्या' से अनुपात = 4 7 हैं। सभी बच्चों से अनुपात के बारे में चर्चा करेंगे।</li> </ul>
--	--	---	---

				<ul style="list-style-type: none"> <li>● कक्षा में बच्चों से पूछेंगे कि आपकी कक्षा में कुल लड़के व लड़कियों की संख्या बताओ? फिर लड़कों व लड़कियों की संख्या के अनुपात के बारे में चर्चा करेंगे।</li> <li>● इसी प्रकार की गतिविधियाँ हम बच्चों को समूहों में बांटकर व अलग-अलग रंग के कंचे देकर करेंगे।</li> <li>● 4 सेबों का अंकित मूल्य रुपये 20 लिखकर एक बच्चे को दुकानदार बनाएंगे व सभी बच्चे समूह में वहां पर दुकान के सामने खड़े होकर देखेंगे व एक बच्चा बनकर उन सभी सेबों को खरीदेगा। दुकानदार उन सेबों को रुपये 18 में बेचता है तथा बताता है कि आपको रुपये 2 का बट्टा दिया गया है।</li> </ul> <p><a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549144006656197">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549144006656197</a></p>
811	विद्यार्थी द्विआयामी और त्रिआयामी वस्तुओं की तुलना कर सकते हैं और त्रिआयामी वस्तुओं के गुणधर्मों की व्याख्या कर सकते हैं।	ठोस आकारों का चित्रण		<a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549155147776198">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549155147776198</a>
812	विद्यार्थी सरल रैखिक आकृतियों ( वृत्त भी शामिल ) के परिमाण और क्षेत्रफल ज्ञात कर सकते हैं, त्रिआयामी आकृतियों का पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन ज्ञात कर सकते हैं।	क्षेत्रमिति		<a href="https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549161283584174">https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351464783052811633?contentId=do_312989549161283584174</a>

<p>मई</p>	<p>घन संख्याओं के गुण धर्म की समझ रखते हैं। रोचक प्रतिरूपों के माध्यम से घन संख्याओं को जानने की समझ रखते हैं। दी गई संख्या को पूर्ण घन बनाने के लिए गुणज निकालने की समझ रखते हैं। अभाज्य गुणनखण्ड विधि से घनमूल निकालने की समझ रखते हैं। किसी भी संख्या का घनमूल निकालने की समझ रखते हैं।</p> <p>गुणनखंडन को समझते हैं। सार्वगुणनखण्डों को ज्ञात करने की समझ रखते हैं। सर्वसमिकाओं के प्रयोग द्वारा गुणनखंडन करने की समझ रखते हैं। बीजीय व्यंजकों के विभाजन को समझते हैं। समीकरण हल करते हुए सामान्य त्रुटियों को जानने की समझ रखते हैं।</p>	<p>घन और घनमूल</p> <p>गुणनखंडन</p>	
-----------	---	------------------------------------	--